राष्ट्रीय बालिका दिवस -II

DIGI PAGE

Subject - G.A. **Date of Release - 27 JAN 2018**

शुरू में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना देश के सौ जिलों में लागू की गई। पिछले एक वर्ष में रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, डिजिटल मीडिया तथा सोशल मीडिया सहित विभिन्न मीडिया में कार्यक्रम को लेकर अभियान चलाने से जागरूकता बढ़ी है। इस अभियान के तहत सामूहिक सामुदायिक कार्य और उत्सवों का आयोजन किया गया जैसे लड़की का जन्मदिन मनाना, साधारण तरीके से विवाह को बढ़ावा देना, महिलाओं के संपत्ति के अधिकार को समर्थन देना, सामाजिक तौर-तरीकों को चुनौती देने वाले स्थानीय चैम्पियनों को पुरस्कृत करना और युवाओं तथा लड़कों को शामिल किया गया।

- विभिन्न स्तरों पर ग्राम पंचायतों के माध्यम से लोगों से संवाद किया गया। बातचीत में प्रत्यायित सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ता (एडब्ल्यूडब्ल्यू) ऑक्सीलियरी नर्सिंग मिडवाइफ (एएनएम) तथा स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के नेताओं को शामिल किया गया।

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को व्यापक बनाने के लिए, विशेषकर युवाओं में व्यापकता के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का भी इस्तेमाल किया गया और जन साधारण में बालिका के महत्व को लेकर सार्थक संदेश दिये गये।

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन के दूसरे वर्ष में गर्भ पूर्व तथा जन्म पूर्व नैदानिक तकनीकी अधिनियम को कठोरता से लागू करने पर ध्यान दिया जा रहा है और मानव संसाधन विकास मंत्रालय लड़कियों की शिक्षा पर विशेष रूप से फोकस कर रहा है। गर्भावस्था के पंजीकरण, संस्थागत डिलीवरी तथा जन्म पंजीकरण जैसे उपायों पर भी बल दिया जा रहा है।

- अभी देश के 161 जिलों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना चलाई जा रही है। सौ जिलों से मिली प्रारंभिक रिपोर्ट संतोषपद्र है। यह संकेत मिलता है कि अप्रैल-मार्च 2014-15 तथा 2015-16 के बीच 58 बीबीबीपी जिलों में बाल लिंग अनुपात को लेकर समझदारी बढ़ी। 69 जिलों में त्रैमासिक पंजीकरण में बढ़ोतरी हुई और पिछले वर्ष की कुल डिलीवरी की तुलना में 80 जिलों में संस्थागत डिलीवरी में सुधार हुआ। हरियाणा में दिसम्बर, 2016 में दो दशकों में पहली बार जन्म पर लिंग अनुपात 900 पर पहुंचा।

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के विभिन्न हितधारकों को सतत रूप से सक्रिय बनाए रखने के लिए महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा सिविल सोसाइटी, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और औद्योगिक संघों को भागीदार बनाया गया। इससे नागरिक समाज के संगठनों को अपने कार्यों को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना से जोड़ने के लिए प्रेरणा मिली।

- भारत में बालिका के भविष्य के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अत्याधिक महत्वपूर्ण और सफल योजना है। पहले वर्ष की सफलता से दिखता है कि देश में विपरीत बाल लिंग अनुपात को समाप्त करना सभी के सहयोग से संभव है।

For Free Study Material Visit: http://www.mahendraguru.com

To Practice More Online Tests Buy From: https://myshop.mahendras.org
For Free Video Tutorials Subscribe Mahendra Guru YouTube Channel